सीआरआरआई सूचना-पत्र
CRRI Newsletter

हर कदम, हर डगर किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
Agrisearch with a human touch

Vol. 46; No. 3 July-September, 2025 जुलाई- सितंबर, 2025 ISSN 0972-5865

विषयसूची / CONTENTS

आयोजन

भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक ने 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया....1
भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक में 20वें पार्थेनियम जागरुकता सप्ताह का पालन....2
सीएबीआई और सीआरआरआई द्वारा चावल पारिस्थितिकी तंत्र में फसल हानि के लैंगिक आधारित आकलन पर सहयोगात्मक परियोजना आरंभ....3
भाकृअनुप-सीआरआरआई द्वारा स्थिर कृषि-मूल्य श्रृंखलाओं के लिए एफपीओ-स्टार्टअप सहयोगिता को मजबूती प्रदान....4
भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक में स्वच्छता ही सेवा-2025 आयोजित....5
सीआरआरआई क्षेत्रीय केंद्र, हजारीबाग
प्रौद्योगिकी: चावल की बालियों से सीधे कंडुवा रोग का रोगजनक का आरपीए-आधारित तेज निदान....5
पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह....6
सीआरयूआरआरएस, हजारीबाग में टीएसपी और आरकेवीवाई परियोजनाओं के तहत प्रदर्शन और वितरण कार्यक्रम....6
कृषि विज्ञान केंद्र कार्यक्रम
कृषि विज्ञान केंद्र, कोडरमा....7
प्रशिक्षण कार्यक्रम....8
प्रदर्शनी में प्रतिभागिता....9
आगंतुक....9
समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर....10
सम्मेलन/परिसंवाद/कार्यशाला/शीतकालीन पाठ्यक्रम/प्रदर्शनी/प्रशिक्षण कार्यक्रमों/बैठकों में प्रतिभागिता....13
पुरस्कार....14
नियुक्ति....14
स्थानांतरण/ इस्तीफा....14
पदोन्नति/वित्तीय लाभ....15
सेवानिवृत्ति....16
निदेशक की कलम से....17

Events

79th Independence Day Celebrated at ICAR-CRRI, Cuttack....1
Observation of 20th Parthenium Awareness Week at ICAR-CRRI, Cuttack....2
CABI and CRRI launch collaborative project on gendered assessment of crop loss in rice ecosystems....3
ICAR–CRRI Strengthens FPO–Startup Synergies for Sustainable Agri-Value Chains....4
Swachhata Hi Seva-2025 at ICAR-CRRI, Cuttack....5
CRRI Regional Station, Hazaribagh
Technology: RPA-based rapid diagnosis of false smut pathogen directly from rice spikelet....5
Parthenium Awareness Week....6
Demonstration and Distribution Programmes under TSP and RKVY Projects at CRURRS, Hazaribag....6
KVK Programmes
KVK, Koderma....7
Training Programmes....8
Participation in Exhibition....9
Visitors....9
MoUs Signed....10
RESEARCH NOTE....10
Seminar/ Symposia/ Workshop/ Winter School/ Exhibition/ Training Programmes/ Meetings attended....13
Award....14
Research Journals....14
Appointment....14
Transfer/ Resigned....14
Promotion/ Financial Benefit....15
Retirement....16
From Director's Desk....17

आयोजन

भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक ने 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया

भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक ने 15 अगस्त 2025 को एकता, देशभक्ति, सामाजिक प्रगति और भारत के स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान की शीर्षक पर 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया तथा समारोह में इसी भावना को आगे बढ़ाया। भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक के निदेशक डॉ. जी ए के कुमार ने महान स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमा पर माल्यार्पण और राष्ट्रीय ध्वज फहराकर समारोह का नेतृत्व किया। अपने संबोधन में, डॉ. कुमार ने भारत की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के साहस, बलिदान और अटूट भावना को नमन किया। उन्होंने राष्ट्र के सतत विकास के लिए मार्गदर्शक शक्तियों के रूप में एकता, देशभक्ति और सामाजिक प्रगति के महत्व पर बल दिया। उन्होंने चावल अनुसंधान और किसान कल्याण पहलों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में भाकृअनुप-सीआरआरआई की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला। डॉ. कुमार ने वैज्ञानिकों को देश की बढ़ती आबादी के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु नवीन, जलवायु-अनुकूल तकनीकों का विकास करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, तकनीकी, प्रशासनिक, सीआरआरआई हाई स्कूल के छात्रों और अन्य स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया, जिससे भारत के विकास और राष्ट्र के आदर्शों और आकांक्षाओं को बनाए रखने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई।

Events

79th Independence Day Celebrated at ICAR-CRRI, Cuttack

The 79th Independence Day was celebrated on 15 August 2025 with the theme unity, patriotism, social progress, and the contributions of India's freedom fighters, and this year's celebrations carried that spirit forward. Dr. G.A.K. Kumar, Director, ICAR-CRRI, Cuttack, led the celebrations by garlanding the statue of the great freedom fighters and hoisting the National Flag. In his address, Dr. Kumar paid homage to the courage, sacrifices, and unwavering spirit of the freedom fighters who secured India's independence. He stressed the importance of unity, patriotism, and social progress as the guiding forces for the nation's sustained growth. He also highlighted ICAR-CRRI's vital role in nation-building through pioneering rice research and farmer welfare initiatives. Dr. Kumar encouraged scientists to develop innovative, climate-resilient technologies to ensure food security for the nation's growing population. The event, attended by scientists, technical staff, administrative staff, CRRI high school students and other staff members, served as a reaffirmation of the institute's commitment to India's development and to upholding the ideals and aspirations of the nation.

BSCIC NABCB QM 030
ISO 9001 REGISTERED
BN10448/9364:0914

प्रधान मंत्री किसान कार्यक्रम का सीधा प्रसारण आयोजित

प्रधान मंत्री किसान उत्सव दिवस समारोह में किसानों की अधिकतम पहुंच और सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए, भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक द्वारा माननीय प्रधानमंत्री के संबोधन और प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी करने का सीधा प्रसारण 2 अगस्त 2025 को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। सीधा प्रसारण की व्यवस्था से एससीएसपी द्वारा अपनाए गए गांवों के किसानों को वास्तविक समय में इस कार्यक्रम को देखने और प्रधानमंत्री की बातचीत और पीएम-किसान योजना और अन्य किसान कल्याण पहलों के बारे में संदेशों से लाभान्वित होने में मदद मिली। भाकृअनुप-सीआरआरआई के निदेशक डॉ. जी ए के कुमार ने विभिन्न प्रभागों के वैज्ञानिकों के साथ कार्यक्रम में भाग लिया और फसल उन्नयन, फसल उत्पादन और फसल सुरक्षा पहलुओं से संबंधित विभिन्न उन्नत कृषि पद्धतियों पर किसानों के साथ बातचीत की। कटक जिले के एससीएसपी द्वारा अपनाए गए गाँवों जैसे ऐनेपुर, पाइकासाही, परमानंदपुर और सुदुसैलो के कुल 95 किसान (पुरुष: 64; महिला: 31) इस कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का समन्वयन प्रधान वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. पी.सी. रथ और वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. पी.सी. जेना ने किया और इसमें भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक के कर्मचारियों का सक्रिय सहयोग रहा।

Organizing Livestreaming of PM Kisan Programme

In order to ensure maximum outreach and active participation of farmers in the PM Kisan Utsav Diwas celebrations, the ICAR-Central Rice Research Institute (ICAR-CRRI), Cuttack successfully organized the livestreaming of the Hon'ble Prime Minister's address and the release of the 20th instalment of the PM Kisan Samman Nidhi on 2 August 2025.

The livestreaming arrangement enabled farmers from the SCSP-adopted villages to witness the event in real-time and benefit from the Prime Minister's interaction and messages regarding the PM-KISAN scheme and other farmer welfare initiatives.

Dr. G.A.K. Kumar, Director, ICAR-CRRI, along with scientists of different divisions, participated in the programme and interacted with farmers on different improved agricultural practices related to crop improvement, crop production & crop protection aspects.

A total of ninety-five farmers (Male: 64; Female: 31) from the SCSP-adopted villages, *viz.*, Ainepur, Paikasahi, Paramanandpur and Sudusailo of Cuttack district attended the event.

The programme was coordinated by Dr. P.C. Rath, Principal Scientist and Chairman, and Dr. P.C. Jena, Senior Scientist, with active support from the staff of ICAR-CRRI, Cuttack.

भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक में 20वें पार्थेनियम जागरुकता सप्ताह का पालन

कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के सचिव तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के महानिदेशक के निर्देशों के अनुसार भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक में 22-16 अगस्त, 2025 के दौरान 20वें पार्थेनियम जागरुकता सप्ताह का अनुपालन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मानव और पशु स्वास्थ्य, पर्यावरण और कृषि पर पार्थेनियम हिस्टेरोफोरस (गाजर खरपतवार/घास) के हानिकारक प्रभावों पर जागरूकता पैदा करना है। संस्थान परिसर में 21 अगस्त और 22 अगस्त को सफाई अभियान आयोजित की गईं तथा भदीमुल गांव में जागरूकता रैली आयोजित की गई। डॉ सुष्मिता मुंडा, वरिष्ठ वैज्ञानिक (कृषि विज्ञान) ने "पार्थेनियम के वैकल्पिक उपयोगों" पर एक व्याख्यान दिया। भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक के प्रभारी निदेशक डॉ संघमित्रा सामंतराय ने इस सत्र की अध्यक्षता की। उन्होंने वैज्ञानिकों को चावल में विभिन्न शोध अनुप्रयोगों के लिए पार्थेनियम का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में फसल उत्पादन प्रभाग के प्रमुख डॉ एनी पूनम ने पार्थेनियम के कई हानिकारक प्रभावों के बारे में वर्णन किया। एक अद्वितीय परिप्रेक्ष्य को जोड़ते हुए, डॉ सुतापा सरकार, वरिष्ठ वैज्ञानिक, फसल उन्नयन प्रभाग ने पार्थेनियम पर जाइगोग्रोग्रामा बायोकोलोराटा से संबंधित गतिविधि पर स्नातक अध्ययन के दौरान अपने व्यक्तिगत अनुभव को साझा किया। डॉ बी राघवेंद्र गौड़, वैज्ञानिक, फसल उत्पादन और स्वच्छ भारत समिति के सदस्यों द्वारा कार्यकलापों को समन्वित किया गया।

Observation of 20th Parthenium Awareness Week at ICAR-CRRI, Cuttack

ICAR-Central Rice Research Institute, Cuttack observed the 20th Parthenium Awareness Week from 16-22 August, 2025, as per the directions of Secretary, DARE & DG, ICAR, New Delhi. The programme aimed to create awareness on the harmful effects of *Parthenium hysterophorus* (Carrot weed/Congress grass) on human and animal health, environment, and agriculture. Cleaning drives were conducted in the institute campus on 21st August and 22nd August along with an awareness rally at Bhadimul village on 21st August, 2025. On 22nd August, 2025, Dr. Sushmita Munda, Senior Scientist (Agronomy) delivered a lecture on *"Alternative Uses of Parthenium"*. The session was presided over by Dr. Sanghamitra Samantaray, Director, ICAR-CRRI, Cuttack. She encouraged scientists to explore utilizing Parthenium for various research applications in rice. The program also featured remarks from Dr. Annie Poonam, Head of the Crop Production Division (CPD), who detailed the numerous harmful effects of Parthenium. Adding a unique perspective, Dr. Sutapa Sarkar, Scientist, CID, shared her personal experience during her undergraduate studies on the feeding activity of *Zygogramma bicolorata* on Parthenium. The activities were coordinated by Dr. B. Raghavendra Goud, Scientist, Crop Production and members of Swacch Bharat Committee.

भाकृअनुप-सीआरआरआई द्वारा विकसित भूरा पौध माहू की प्रतिरोधी किस्मों से ओडिशा में चावल की खेती को मजबूत

आरकेवीवाई वित्तपोषित परियोजना "ओडिशा के चावल किसानों की आय बढ़ाने के लिए भूरा पौध माहू प्रतिरोधी चावल की किस्मों को लोकप्रिय बनाना" के तहत चल रही प्रयासों के हिस्से के तौर पर, भाकृअनुप-सीआरआरआई के फसल सुरक्षा प्रभाग के अध्यक्ष और परियोजना के

ICAR-CRRI Strengthens Rice Farming in Odisha with BPH-Resistant Varieties

As part of the ongoing efforts under the RKVY funded project entitled "Popularization of BPH Resistant Rice Variety for Uplifting the Odisha Rice Farmers' Income", Dr. SD. Mohapatra Head, Crop Protection Division, ICAR-CRRI

प्रधान अन्वेषक डॉ. एस डी. महापात्र ने ओडिशा के 10 जिलों के 17 गाँवों में एक सफल प्रचार कार्यक्रम का आयोजन किया। इस बड़े अभियान के दौरान, डॉ. एस डी. महापात्र और उनकी परियोजना दल ने बालासोर, बरगढ़, नयागढ़, सोनपुर, संबलपुर, अनुगुल, कटक, पुरी, जगतसिंहपुर, भद्रक, मयूरभंज जिलों में किसानों को भूरा पौध माहू के प्रतिरोधी चावल की किस्में, सीआर धान317- और सीआर धान805- वितरित की। कुल 343 किसानों को सीआर धान317- के 1,050 किलोग्राम और सीआर धान805- के 2,180 किलोग्राम बीज मिले। भाकृअनुप-सीआरआरआई के वैज्ञानिकों ने किसानों के साथ वैज्ञानिक जानकारी भी साझा किया जिसका मकसद एकीकृत कीट प्रबंधन के तरीकों और भूरा पौध माहू के प्रतिरोधी चावल की किस्मों की खेती के फायदों के बारे में उनकी समझ को बढ़ाना था। इस एकीकृत तरीके से, भाकृअनुप-सीआरआरआई ने ओडिशा के किसानों को स्थायी, कीट-प्रतिरोधी चावल की खेती के विकल्प देकर उन्हें मजबूत बना रहा है, जिससे फसल की पैदावार और गांव की रोजी-रोटी बढ़ाने में मदद मिल रही है।

and Principal Investigator of the project undertook a successful outreach program across 17 villages in 10 districts of Odisha. During this extensive campaign, Dr. S.D. Mohapatra and his project team distributed Brown Planthopper (BPH) resistant rice varieties, CR Dhan-317 and CR Dhan-805, in the districts of Balasore, Bargarh, Nayagarh, Sonepur, Sambalpur, Anugul, Cuttack, Puri, Jagatsinghpur, Bhadrak, Mayurbhanj to the farming community. A total of 343 farmers received 1,050 kg of CR Dhan-317 and 2,180 kg of CR Dhan-805 seeds. The ICAR-CRRI scientist also shared scientific knowledge to the farmers, aiming to enhance their understanding of integrated pest management practices and the advantages of cultivating BPH-resistant rice varieties. Through this integrated approach, ICAR-CRRI continues to empower Odisha's farmers with sustainable, pest-resilient rice cultivation options contributing to enhanced crop productivity and rural livelihoods.

सीएबीआई और सीआरआरआई द्वारा चावल पारिस्थितिकी तंत्र में फसल हानि के लैंगिक आधारित आकलन पर सहयोगात्मक परियोजना आरंभ

अंतर्राष्ट्रीय कृषि एवं जैव विज्ञान केंद्र (सीएबीआई) ने केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) के सहयोग से चावल पारिस्थितिकी तंत्र में फसल हानि का लैंगिक-आधारित आकलन करने के लिए एक नई परियोजना शुरू की है। यह अध्ययन सीएबीआई की फसल हानि के बोझ पर वैश्विक पहल का एक हिस्सा है, जिसका उद्देश्य संसार भर में फसल हानि के पैमाने और उसके कारणों के बारे में ठोस, साक्ष्य-आधारित जानकारी जुटाना है। प्रत्येक वर्ष, %40 तक फसलें कटाई से पहले ही नष्ट हो जाती हैं। फसल हानि खाद्य सुरक्षा, किसानों की आजीविका और आर्थिक स्थिरता को प्रभावित करती है। लेकिन, इस समस्या को ठीक से समझा नहीं गया है, जिससे नुकसान को कम करने के लिए प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पाती है। फसल हानि का वैश्विक बोझ पहल का उद्देश्य फसल हानि के विश्वसनीय, कार्यान्वयन योग्य अनुमान प्रदान करके इस ज्ञान अंतर को पाटना है ताकि वैश्विक स्तर पर कृषि उत्पादन और खाद्य सुरक्षा में सुधार के लिए निर्णय लिए जा सकें। लैंगिक दृष्टिकोण को एकीकृत करके, यह परियोजना इस बात पर प्रकाश डालेगी कि फसल हानि पुरुष और महिला किसानों को अलग-अलग तरीके से कैसे प्रभावित करती है, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि हस्तक्षेप अधिक समावेशी और न्यायसंगत हों। इसके अलावा, कृषि लचीलापन और नवाचार में साझा लक्ष्यों को आगे बढ़ाने हेतु सहयोग और संवाद को बढ़ावा देने हेतु प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाने हेतु एक दो दिवसीय हितधारक कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा ताकि एक व्यापक केस स्टडी विकसित की जा सके। यह सहयोग खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने, लचीलापन बढ़ाने और पूरे ओडिशा में चावल की खेती प्रणाली को मजबूत करने की साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। यह परियोजना 15 सितंबर 2025 को कटक स्थित सीआरआरआई परिसर में शुरू की गई थी।

CABI and CRRI launch collaborative project on gendered assessment of crop loss in rice ecosystems

Centre for Agriculture and Bioscience International (CABI), in collaboration with the Central Rice Research Institute (CRRI), has initiated a new project to conduct a gendered assessment of crop losses in rice ecosystems. The study forms part of CABI's global initiative on the Burden of Crop Loss, which seeks to generate robust, evidence-based insights into the scale and drivers of crop losses worldwide.

Every year, up to 40% of crops are lost before they are even harvested. Crop loss impacts food security, farmer livelihoods and economic stability. However, the problem is poorly understood, preventing effective action to reduce losses. The Global Burden of Crop Loss initiative aims to bridge this knowledge gap by providing trusted, actionable estimates of crop losses to inform decisions on improving agricultural output and food security globally.

By integrating a gender lens, the project will highlight how crop losses affect men and women farmers differently, ensuring that interventions are more inclusive and equitable. Further, a two-day stakeholder workshop would be organized bringing together key stakeholders for fostering collaboration and dialogue to advance shared goals in agricultural resilience and innovation to develop a comprehensive case study.

This collaboration underscores a shared commitment to strengthening food security, improving resilience, and strengthening the rice farming system across Odisha. The project was launched on 15th September 2025 at CRRI campus in Cuttack.

ओडिशा में फ्लाई ऐश के उपयोग पर सहयोगात्मक अनुसंधान के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

ओडिशा के माननीय राज्यपाल श्री कंभमपति हरि बाबू की गरिमामयी उपस्थिति में राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, ओडिशा, भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई), कटक, ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (ओयूएटी), भुवनेश्वर तथा जैव प्रौद्योगिकी एवं जैव सूचना

MoU Signed for collaborative research on Flyash utilization in Odisha

A Memorandum of Understanding (MoU) was signed on 15th September, 2025 in the august presence of Shri Kambhampati Hari Babu, the Hon'ble Governor of Odisha among the State Pollution Control Board, Odisha; ICAR–Central Rice Research Institute (CRRI), Cuttack; Odisha University

विज्ञान विभाग, संबलपुर विश्वविद्यालय के बीच 15 सितंबर, 2025 को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता ज्ञापन के तहत, साझेदार एकीकृत समाधानों का उपयोग करके, औद्योगिक उप-उत्पाद, फ्लाई ऐश के सतत प्रबंधन पर केंद्रित अनुसंधान परियोजनाओं को संयुक्त रूप से प्रयोग करने पर सहमत हुए। इन परियोजनाओं का उद्देश्य फ्लाई ऐश-संशोधित मिट्टी में मौजूद भारी धातुओं को स्थिर करने और फ्लाई ऐश को पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित संशोधनों में बदलने के लिए बेहतर तरीके विकसित करना है, जिससे पर्यावरणीय सुरक्षा और कृषि उत्पादकता दोनों को बढ़ावा मिले। यह समझौता वैज्ञानिक विशेषज्ञता को साझा करने और संयुक्त अनुसंधान करने के लिए एक सहयोगात्मक ढांचा स्थापित करता है, जिसका लक्ष्य ओडिशा में औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन और मृदा स्वास्थ्य बहाली की दोहरी चुनौतियों का समाधान करना है।

of Agriculture & Technology (OUAT), Bhubaneswar; and the Department of Biotechnology & Bioinformatics, Sambalpur University.

Under this MoU, the partners agreed to jointly implement research projects focused on the sustainable management of fly ash, an industrial by-product, by employing integrated solutions. The projects aim to develop scalable methods for stabilizing heavy metals present in fly ash-amended soils and transforming fly ash into environmentally safe amendments, thus promoting both environmental safety and agricultural productivity.

The agreement establishes a collaborative framework for sharing scientific expertise, and conducting joint research, with the goal of addressing the dual challenges of industrial waste management and soil health restoration in Odisha

भाकृअनुप-सीआरआरआई द्वारा स्थिर कृषि-मूल्य श्रृंखलाओं के लिए एफपीओ-स्टार्टअप सहयोगिता को मजबूती प्रदान

भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) ने केआईआईटी-टीबीआई और बीसीकेआईसी के सहयोग से 25 सितंबर 2025 को ईएपी391- परियोजना के तहत "स्थायी कृषि-मूल्य श्रृंखलाओं के लिए एफपीओ-स्टार्टअप सहयोगिता को मजबूत करना" शीर्षक पर एक उच्च स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 13 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को 12 कृषि-तकनीकी स्टार्टअप्स के साथ जोड़ा गया ताकि प्रौद्योगिकी-संचालित कृषि विकास हेतु साझेदारी को बढ़ावा दिया जा सके। इस कार्यक्रम में विकास आर-एबीआई, केआईआईटी-टीबीआई और बीसीकेआईसी जैसे इनक्यूबेशन प्लेटफॉर्म के माध्यम से साझेदारी बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिससे इनपुट आपूर्ति, मशीनीकरण, प्रसंस्करण, विपणन और डिजिटल समाधानों के बीच क्रियाशील संबंध स्थापित किए जा सकें और स्थिर कृषि-मूल्य श्रृंखलाओं को मज़बूत किया जा सके। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए, भाकृअनुप-सीआरआरआई के निदेशक डॉ. जी ए के कुमार ने स्टार्टअप्स और एफपीओ के बीच मज़बूत सहयोग के महत्व पर ज़ोर दिया। केआईआईटी-टीबीआई के श्री सुनील एम.पी. ने नवीन कृषि-स्टार्टअप परिकल्पनाओं की सराहना की। भाकृअनुप-सीआरआरआई के डॉ. विश्वजीत मंडल ने धन्यवाद ज्ञापन किया। वक्ताओं ने कृषि-उद्यमिता, बाज़ार संपर्क और एफपीओ के विस्तार पर प्रस्तुतियों के साथ विकास आर-एबीआई, केआईआईटी-टीबीआई और बीसीकेआईसी द्वारा प्रदान किए जा रहे इनक्यूबेशन समर्थन पर प्रकाश डाला। श्री एल.के. पल्तसिंह और श्री बिपिन राउत की पैनल चर्चा में एकत्रीकरण, सरकारी योजनाओं और सफल एफपीओ मॉडल पर ज़ोर दिया गया। स्टार्टअप्स ने जैव-उर्वरक, शीत भंडारण, नवीकरणीय ऊर्जा, मत्स्य पालन, हाइड्रोपोनिक्स आदि क्षेत्रों में नवाचारों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का समापन सहयोग के लिए एक दिशानिर्देश तैयार करने के साथ हुआ, जिसने स्थायी, प्रौद्योगिकी-आधारित कृषि-मूल्य श्रृंखलाओं और मजबूत किसान-स्टार्टअप साझेदारियों के लिए मंच तैयार किया।

ICAR–CRRI Strengthens FPO–Startup Synergies for Sustainable Agri-Value Chains

ICAR–Central Rice Research Institute (CRRI), in collaboration with KIIT-TBI and BCKIC, organized a high-impact programme under EAP-391 on "Strengthening FPO–Startup Synergies for Sustainable Agri-Value Chains" on 25 September 2025. The event connected 13 Farmer Producer Organizations (FPOs) with 12 agri-tech startups to foster partnerships for technology-driven agricultural growth. It focused on building partnerships through incubation platforms such as VIKAS R-ABI, KIIT-TBI, and BCKIC, creating actionable linkages across input supply, mechanization, processing, marketing, and digital solutions to strengthen sustainable agri-value chains.

Inaugurating the programme, Dr. G.A.K. Kumar, Director, ICAR-CRRI, stressed the importance of strong collaborations between startups and FPOs. Mr. Sunil M.P., KIIT-TBI, lauded innovative agri-startup ideas, and Dr. Biswajit Mondal, ICAR-CRRI, proposed the vote of thanks.

Speakers highlighted incubation support from VIKAS R-ABI, KIIT-TBI, and BCKIC, with presentations on agri-entrepreneurship, market linkages, and scaling FPOs. A panel discussion featuring Mr. L.K. Paltasingh and Mr. Bipin Rout emphasized aggregation, government schemes, and successful FPO models.

Startups showcased innovations in bio-fertilizers, cold storage, renewable energy, fisheries, hydroponics, and more. The event concluded with a roadmap for collaborations, setting the stage for sustainable, technology-led agri-value chains and stronger farmer-startup partnerships.

हितधारक कार्यशाला में चावल की फसल के नुकसान के बोझ पर लैंगिक-आधारित अंतर्दृष्टि पर जोर

कृषि और जैव विज्ञान अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (सीएबीआई) ने भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) के सहयोग से सीआरआरआई, कटक में 26 सितंबर 2025 को चावल की फसल के नुकसान के बोझ के लिंग आधारित विश्लेषण पर एक दिवसीय हितधारक कार्यशाला का

Stakeholder Workshop Highlights Gendered Insights on Rice Crop Loss Burden

The Centre for Agriculture and Bioscience International (CABI), in collaboration with the ICAR–Central Rice Research Institute (CRRI), organized a one-day Stakeholder Workshop on Gendered Analysis of Rice Crop Loss Burden Stakeholder Dialogue & Learning Exchange for Collaborative Reflection on 26 September 2025 at ICAR-CRRI, Cuttack.

आयोजन किया। यह कार्यक्रम कृषि और जैव विज्ञान अंतर्राष्ट्रीय केंद्र की वैश्विक फसल हानि बोझ पहल का एक भाग था जिसका उद्देश्य संसार भर में फसल हानि के पैमाने और कारणों के बारे में ठोस, साक्ष्य-आधारित जानकारी जुटाना है। इसे कृषि और जैव विज्ञान अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित किया गया। इस कार्यशाला में कटक, जगतसिंहपुर, भद्रक और केंद्रापाड़ा के किसानों और कृषक महिलाओं तथा सीआरआरआई, अन्य आईसीएआर संस्थानों, एमएसएसआरएफ, राज्य कृषि विभागों और कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रतिनिधियों सहित कुल 75 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र का आरंभ परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ. बी. मंडल के स्वागत भाषण और आरंभिक टिप्पणियों से हुई। सीएबीआई की जेंडर एवं समावेशन विशेषज्ञ डॉ. कविता मिश्र ने कार्यशाला के उद्देश्यों को रेखांकित किया और सीएबीआई की गतिविधियों का परिचय दिया। इसके बाद डॉ. अरुण जाधव ने वैश्विक फसल हानि बोझ परियोजना का अवलोकन प्रस्तुत किया। इस परियोजना के सह-प्रमुख डॉ. राहुल त्रिपाठी ने सीआरआरआई-सीएबीआई सहयोग पर प्रकाश डाला, जबकि फसल उन्नयन प्रभाग के अध्यक्ष डॉ. संघमित्रा सामंतराय और फसल उत्पादन प्रभाग के अध्यक्ष डॉ. प्रताप भट्टाचार्य ने इस आयोजन के महत्व पर अपने विचार साझा किए। सीआरआरआई के निदेशक डॉ. जी.ए.के. कुमार ने किसानों के साथ विचार-विनिमय किया, उन्हें चावल की खेती में फसल के नुकसान से संबंधित अपनी समस्याओं को खुलकर साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया और सलाह दी कि सामूहिक प्रयास और सक्रिय भागीदारी से परियोजना के उद्देश्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। उद्घाटन सत्र के समापन में परियोजना के सह-प्रमुख अन्वेषक डॉ. ए.के. मुखर्जी ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन किया। उद्घाटन के बाद, कार्यक्रम में पूर्ण प्रस्तुतियाँ, विचार-मंथन सत्र, किसानों के साथ संवादात्मक चर्चाएँ और व्यक्तिगत अनुभवों का आदान-प्रदान शामिल था। समापन सत्र में मुख्य अंतर्दृष्टि का सारांश प्रस्तुत किया गया और चावल की फसल के नुकसान को समझने और उससे निपटने में लैंगिक-आधारित उपाय को शामिल करने के महत्व पर ज़ोर दिया गया।

This programme was part of CABI's Global Burden of Crop Loss (GBCL) initiative, which seeks to generate robust, evidence-based insights into the scale and drivers of crop losses worldwide, and was funded by CABI, New Delhi. Altogether 75 participants comprising farmers and farmwomen from Cuttack, Jagatsinghpur, Bhadrak, and Kendrapada and representatives from ICAR-CRRI, other ICAR institutes, MSSRF, State Agriculture Departments, and KVKs attended the workshop. The inaugural session began with a welcome address and opening remarks by Dr. B. Mondal, Principal Investigator of the project. Dr. Kavita Mishra, Gender & Inclusion Expert, from CABI outlined the objectives of the workshop and introduced CABI's activities, followed by an overview of the Global Burden of Crop Loss (GBCL) project presented by Dr. Arun Jadhav. Dr. Rahul Tripathi, Co-PI of this project highlighted the CRRI–CABI collaboration, while Dr. Sanghamitra Samantaray, Head of the Crop Improvement Division, and Dr. Pratap Bhattacharyya, Head of the Crop Production Division, shared their perspectives on the importance of the event. The presidential address was given by Dr. G.A.K. Kumar, Director, ICAR-CRRI, who interacted with farmers, encouraged them to freely share their problems related to crop loss in rice cultivation, and advised that collective efforts and active participation would help achieve the aim of the project. The inaugural session concluded with a formal vote of thanks by Dr. A.K. Mukherjee, Co-Principal Investigator of the project. Following the inauguration, the programme included plenary presentations, brainstorming sessions, interactive discussions with farmers, and the sharing of personal experiences, before concluding with a closing session that summarized key insights and emphasized the importance of incorporating gender perspectives in understanding and addressing rice crop loss.

भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक में स्वच्छता ही सेवा-2025 आयोजित

भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक ने 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 के दौरान "स्वच्छोत्सव" शीर्षक सहित "स्वच्छता ही सेवा-2025" का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस पखवाड़े के दौरान, स्वच्छता, स्थिरता के संदेश को बढ़ावा देने वाले प्रतिज्ञा समारोह, स्कूल प्रतियोगिताओं, स्वच्छता अभियान, सफाई मित्रों के लिए स्वास्थ्य जांच, अपशिष्ट-से-कला प्रदर्शनियों, रैलियों और मंदिर की सफाई पहल और सामुदायिक भागीदारी से लेकर प्रभावशाली स्वच्छता और जागरूकता गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित की गई। यह अभियान गांधी जयंती (2 अक्टूबर) को एक समापन कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ, जहां प्रतिभागियों, छात्रों और सफाई मित्रों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

Swachhata Hi Seva-2025 at ICAR-CRRI, Cuttack

ICAR-CRRI, Cuttack successfully organized "Swachhata Hi Seva – 2025" with the theme "Swachhotsav" from 17th September to 2nd October 2025. During this fortnight, a series of impactful cleanliness and awareness activities were conducted ranging from pledge-taking ceremonies, school competitions, cleanliness drives, health check-ups for Safai Mitras, waste-to-art exhibitions, rallies, and temple cleaning initiatives promoting the message of hygiene, sustainability, and community participation. The campaign concluded on Gandhi Jayanti (2nd Oct) with a valedictory programme, where participants, students, and Safai Mitras were felicitated for their contributions.

सीआरआरआई क्षेत्रीय केंद्र, हजारीबाग

प्रौद्योगिकी: चावल की बालियों से सीधे कंडुवा रोग का रोगजनक का आरपीए-आधारित तेज निदान

कच्चे निचोड़ का प्रयोग करके चावल की बालियों से सीधे चावल के कंडुवा रोग के रोगजनक (यूस्टिलाजिनोइडिया विरेंस) का पता लगाने के लिए एक आरपीए-आधारित तेज निदान प्रोटोकॉल बनाया गया है। यह तरीका रोग की असरदार निगरानी में मदद करते हुए, जल्दी और संवेदनशील खेत पहचान को मुमकिन बनाता है। यह प्रौद्योगिकी डॉ. अमृता बनर्जी, डॉ. एम.के. बाग, डॉ. सोमनाथ रॉय, डॉ. रघु एस. और डॉ. एन.पी. मंडल ने विकसित की है और यह आईसीएआर, नई दिल्ली के तहत भाकृअनुप-सीएस-एनआरआरआई प्रौद्योगिकी-2025-042 के तौर पर दर्ज है।

CRRI Regional Station, Hazaribagh

Technology: RPA-based rapid diagnosis of false smut pathogen directly from rice spikelet

A RPA-based rapid diagnostic protocol has been developed for the detection of the rice false smut pathogen (*Ustilaginoidea virens*) directly from rice spikelets using crude extract. This method enables quick and sensitive field detection, aiding in effective monitoring of the disease. The technology was developed by Dr. Amrita Banerjee, Dr. M.K. Bag, Dr. Somnath Roy, Dr. Raghu S., and Dr. N.P. Mandal, and is registered as ICAR-CS-NRRI Technology-2025-042, under ICAR, New Delhi.

प्रौद्योगिकी: चावल में सुगंधित जीन का आसान टेम्पलेट आधारित तेजी से पता लगाना

चावल में सीधे कच्ची पत्ती के रस से सुगंधित जीन का तेजी से पता लगाने के लिए एक आसान टेम्पलेट-आधारित आरपीए प्रोटोकॉल बनाया और मान्य किया गया है। यह परीक्षण सुगंधित जीन के लिए चावल के जर्मप्लाज्म की तेजी से जांच करने में मदद करता है, जिससे सुगंधित चावल प्रजनन कार्यक्रम के लिए जनक चुनने में और बीज उद्योगों को किस्मों की पहचान करने में मदद मिलती है। यह प्रौद्योगिकी डॉ. अमृता बनर्जी, डॉ. सोमनाथ रॉय, डॉ. एन.पी. मंडल, डॉ. प्रियमेधा, डॉ. सुतापा सरकार और सुश्री एस. भारती ने विकसित की है और यह आईसीएआर, नई दिल्ली के तहत भाकृअनुप-सीएस-एनआरआरआई प्रौद्योगिकी009-2025- के तौर पर दर्ज है।

Technology: Simple template based rapid detection of aroma gene in rice

A simple template-based RPA protocol has been developed and validated for the rapid detection of the aroma gene in rice directly from crude leaf sap. This assay enables quick screening of rice germplasm for the aroma gene, assisting in parent selection for aromatic rice breeding programmes and by seed industries for varietal identification. The technology was developed by Dr. Amrita Banerjee, Dr. Somnath Roy, Dr. N.P. Mandal, Dr. Priyamedha, Dr. Sutapa Sarkar, and Ms. S. Bharti, and is registered as ICAR-CS-NRRI-Process-2025-009 under ICAR, New Delhi.

पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह

झारखंड के हज़ारीबाग जिले के अमझरिया, चंदौल, कासीडीह और चरही गांवों में पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह मनाया गया। "पार्थेनियम के नुकसानदायक असर और इसके प्रबंधन"शीर्षक पर 20 और 22 अगस्त 2025 को किसान गोष्ठियां हुईं। इसकी अध्यक्षता सीआरयूआरआरएस (भाकृअनुप–सीआरआरआई), हजारीबाग के अध्यक्ष डॉ. निमाई प्रसाद मंडल ने की। डॉ. एस. एम. प्रसाद और डॉ. सौम्या साहा ने खरपतवार के नुकसानदायक असर और इसे नियंत्रण करने के तरीकों के बारे में बताया। कुल मिलाकर 52 किसानों, महिला किसानों और गांव के युवाओं ने हिस्सा लिया, साथ ही श्री शिव शंकर दयाल (नीड फाउंडेशन) और श्री महालाल हांसदा (प्रोग्रेसिव किसान और सोशल वर्कर) ने भी इसमें हिस्सा लिया।

Parthenium Awareness Week

Parthenium Awareness Week was organized at Amjharia, Chandaul, Kasidih, and Charhi villages of Hazaribag district, Jharkhand. *Kisan Goshthies* on "Harmful Effects of Parthenium and Its Management" were held on 20 and 22 August 2025 under the chairmanship of Dr. Nimai Prasad Mandal, Head, CRURRS (ICAR–CRRI), Hazaribag. Dr. S.M. Prasad and Dr. Soumya Saha highlighted the weed's harmful effects and its control measures. Altogether 52 farmers, farm women, and rural youths participated, along with Sri Shiv Shankar Dayal (NEED Foundation) and Sri Mahalal Hansda (Progressive Farmer and Social Worker).

हिंदी पखवाड़ा

सीआरयूआरआरएस (भाकृअनुप–सीआरआरआई), हजारीबाग में हिंदी पखवाड़ा (14-30 सितंबर) के भाग के तौर पर 15 सितंबर 2025 को एक हिंदी गोष्ठी रखी गई। इस गोष्ठी की अध्यक्षता सीआरयूआरआरएस के अध्यक्ष डॉ. निमाई प्रसाद मंडल ने की। डॉ. एस.एम. प्रसाद, प्रभारी (राजभाषा) ने सरकारी और वैज्ञानिक कामों में हिंदी को बढ़ावा देने वाली कार्यकलापों पर एक छोटी रिपोर्ट पेश की। कार्यक्रम में सभी स्टाफ सदस्यों ने हिस्सा लिया। सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्री दिलीप कुमार परिडा ने सरकारी पत्र में हिंदी के नियमित प्रयोग पर जोर दिया जबकि डॉ. मंडल ने पखवाड़े के दौरान हिंदी में तकनीकी रिपोर्ट प्रकाशन करने और निबंध या श्रुतलेखन प्रतियोगिता आयोजन करने के लिए बढ़ावा दिया।

Hindi Pakhwada

A Hindi Goshthi was organized on 15 September 2025 as part of Hindi Pakhwada (14-30 September) at the CRURRS (ICAR–CRRI), Hazaribag under the chairmanship of Dr. Nimai Prasad Mandal, Head, CRURRS. Dr. S.M. Prasad, In-charge (Official Language–Hindi), presented a brief report on activities promoting Hindi in official and scientific work. All staff members participated in the programme. Sri Dillip Kumar Parida, Assistant Administrative Officer, emphasized the regular use of Hindi in official correspondence, while Dr. Mandal encouraged publishing technical reports in Hindi and organizing essay or dictation competitions during the Pakhwada.

सीआरयूआरआरएस, हजारीबाग में टीएसपी और आरकेवीवाई परियोजनाओं के तहत प्रदर्शन और वितरण कार्यक्रम

सीआरयूआरआरएस, हजारीबाग के टीएसपी कार्यक्रम के तहत, 2 जुलाई 2025 को बड़कागांव के नापोखुर्द पंचायत में 146 जनजाति किसानों/महिला किसानों को 1200 किलोग्राम शाकनाशी-सहिष्णु चावल की किस्म सीआर धान 807 वितरित की गई। डॉ. एस.एम. प्रसाद, सोमेश्वर भगत, बी. सी. वर्मा और प्रियमेधा ने "चावल के वैज्ञानिक नर्सरी प्रबंधन"पर एक प्रशिक्षण भी दिया। आरकेवीवाई परियोजना (ईएपी 408) के तहत, झारखंड के हजारीबाग, चतरा और कोडरमा जिलों के चुने हुए गांवों में फलों के पौधे (आम, लीची, अमरूद, पपीता) और 600 झारसिम मुर्गी बांटे गए।

Demonstration and Distribution Programmes under TSP and RKVY Projects at CRURRS, Hazaribag

Under the TSP programme of CRURRS, Hazaribag, 1200 kg of herbicide-tolerant rice variety CR Dhan 807 was distributed to 146 tribal farmers/farm women on 2 July 2025 at Napokhurd Panchayat, Badkagaon. A training on "Scientific Nursery Management of Rice" was also conducted by Drs. S.M. Prasad, Someshwar Bhagat, B.C. Verma, and Priyamedha. Under the RKVY Project (EAP 408), fruit saplings (Mango, Litchi, Guava, Papaya) and 600 Jharsim poultry birds were distributed in selected villages of Hazaribag, Chatra, and Koderma districts of Jharkhand.

कृषि विज्ञान केंद्र कार्यक्रम
कृषि विज्ञान केंद्र, कोडरमा

कृषि विज्ञान केंद्र, कोडरमा ने अगस्त और सितंबर 2025 के दौरान कई जागरूकता प्रोग्राम आयोजित किए और उनमें भाग लिया। इनमें 2 अगस्त को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का सीधा प्रसारण, 8 अगस्त को बरही के माननीय विधानसभा सदस्य द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र, की चारदीवारी का उद्घाटन शामिल था। स्टाफ सदस्यों ने 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस, 16-22 अगस्त तक पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह और 14-21 अगस्त तक हिंदी सप्ताह को मनाया। सितंबर में, कृषि विज्ञान केंद्र ने 10 से 12 सितंबर तक राज्य कृषि विभाग के साथ मिलकर

स्कूल सॉइल हेल्थ प्रोग्राम आयोजित किया, 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा कार्यकलापें कीं और पूरे सितंबर में पोषण माह मनाया, जिसमें पोषण और स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए सांथ, जयनगर और बीको गांवों के किसान और समुदाय के सदस्यों शामिल हुए।

इस मौसम में, किसानों को बेहतर खेती की प्रौद्योगिकी और तरीकों को दिखाने के लिए कई अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनी आयोजित किए गए। मुख्य प्रदर्शनी में 20 किसानों के साथ 2 हेक्टेयर की खेत में ख़रीफ प्याज (अर्का कल्याण), 10 जगहों पर पोषण वाटिका बनाना, 20 किसानों के साथ 5 हेक्टेयर में धान में कंडुवा रोग का प्रबंधन और 8 किसानों के साथ 2 हेक्टेयर में एनआरआरआई एंडो टेक प्रदर्शन शामिल थे। इन प्रदर्शनों का उद्देश्य फ़सल की पैदावार बढ़ाना, पोषण सुरक्षा को बढ़ावा देना और स्थिर खेती की प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए बढ़ावा देना था।

इसके अलावा, स्थानीय खेत परिस्थिति में प्रौद्योगिकी का परीक्षण करने और बेहतर बनाने के लिए दो ऑन-फार्म ट्रायल किए गए। पहले ऑन-फार्म ट्रायल में, 'खरीफ धान की खेती में अजोला का प्रयोग' में 10 जगहों पर नाइट्रोजन उर्वरक की अलग-अलग मात्रा के साथ अजोला मिलाने के असर को जांचा गया। दूसरे ऑन-फार्म ट्रायल में, 'आम में अलग-अलग सामग्री दबाने का मूल्यांकन' में 10 स्थानों में मिट्टी की नमी बनाए रखने और पैदावार पर पेड़ के पत्ते, टेफ्रोसिया लीफ मल्च और धान पुआल जैसे अलग-अलग मल्च के असर का परीक्षण किया गया। दोनों परीक्षणों से पर्यावरण-मैत्री और कम खर्चीले खेती के तरीके विकसित करने के लिए मूल्यावान जानकारी मिली।

इस दौरान, कृषि विज्ञान केंद्र, कोडरमा ने मोबाइल, व्हाट्सएप और खेत परिदर्शन के जरिए एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन, उच्च उपज देने वाली किस्में, एकीकृत कीट प्रबंधन, एकीकृत रोग प्रबंधन, मल्चिंग, खरपतवार जैसे मुद्दों पर 254 सलाह दी, जिससे 192 किसानों को लाभ हुआ। वैज्ञानिकों के साथ चेहल, पहाड़पुर, पथलडीहा, आरागारो, उरवा, सरदारोडीह और तरवन जैसे गांवों में खेतों में-समस्या समाधान के लिए कुल 41 खेत परिदर्शन किए गए।

कृषि विज्ञान केंद्र ने सब्जियों की वैज्ञानिक खेती पर 12 फिल्म शो भी आयोजित किए, श्री सूरज कुमार यादव (क्वांटम यूनिवर्सिटी, रूड़की) के

KVK Programmes
KVK, Koderma

During August and September 2025, Krishi Vigyan Kendra (KVK), Koderma organized and participated in several important events and awareness programmes. These included the PM Kisan Samman Nidhi live telecast on 2 August, followed by the inauguration of the KVK boundary wall by the Hon'ble MLA of Barhi on 8 August. The staff actively celebrated Independence Day on 15 August, Parthenium Awareness Week from 16-22 August, and Hindi Week from 14-21 August. In September, the KVK jointly organized the School Soil Health Programme with the State Agriculture Department from 10 to 12 September, conducted Swachhata Hi Seva activities from 17 September to 2 October, and observed Poshan Maah throughout September, involving farmers and community members from Santh, Jainagar, and Beako villages to promote nutrition and health awareness.

During the current season, several frontline demonstrations were conducted to showcase improved agricultural technologies and practices among farmers. The major demonstrations included Kharif Onion (Arka Kalyan) covering 2 hectares with 20 farmers, Nutrition Garden established in 10 locations, Management of False Smut in Paddy over 5 hectares involving 20 farmers, and NRRI Endo Tech demonstration covering 2 hectares with 8 farmers. These demonstrations aimed to enhance crop productivity, promote nutritional security, and encourage adoption of sustainable farming technologies.

In addition, two On-Farm Trials (OFTs) were undertaken to assess and refine technologies under local field conditions. The first OFT, *Integration of Azolla in Kharif Paddy Cultivation*, evaluated the effect of combining Azolla with different doses of nitrogen fertilizers across 10 locations. The second OFT, *Assessment of Different Mulching Materials in Mango*, tested the impact of various mulches such as tree leaves, Tephrosia leaf mulch, and paddy straw on soil moisture conservation and yield in 10 orchards. Both trials provided valuable insights for developing eco-friendly and cost-effective farming practices.

During the period, KVK Koderma provided 254 advisories on issues like INM, HYVs, IPM, IDM, mulching, weed, and nutrient management through mobile, WhatsApp, and field visits, benefiting 192 farmers. A total of 41 field visits were conducted with scientists to villages such as Chehal, Paharpur, Pathaldiha, Aaragaro, Urva, Sardarodih, and Tarwan for on-site problem solving.

KVK also organized 12 film shows on scientific cultivation of vegetables, successfully completed the RAWE programme of

आरएडब्ल्यूई कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया और 20 प्रतिभागियों के लिए एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन (18.08.2025–03.09.2025) पर 15 दिवसीय सर्टिफिकेट कोर्स आयोजित किया। उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्र दिवस, परिदर्शन यात्रा और किसानों की बैठकें जैसी विभिन्न विस्तार गतिविधियाँ भी की गईं।

Mr. Suraj Kumar Yadav (Quantum University, Roorkee), and conducted a 15-day Certificate Course on Integrated Nutrient Management (18.08.2025–03.09.2025) for 20 participants. Various extension activities like field days, exposure visits, and farmers' meetings were also carried out to promote improved farming technologies.

प्रशिक्षण कार्यक्रम

इस अवधि के दौरान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्रों एवं कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

Training Programmes

During the period following training programmes were organized by the institute, regional stations and KVKs.

Title of the training	Duration/Date	Course Director & Coordinators	Sponsor	No. of participants
Adoption of CRRI Biofertilizer Model	7-8 July 2025	Dr. Upendra Kumar, Dr. A.K. Mukherjee	*Jaiva-Poshak*	33
Sustainable Rice Production: Monitoring GHG Emissions and Implementing DSR & AWD Techniques	9 July 2025	Dr. Pratap Bhattacharyya, Dr. Sushmita Munda	Chaltaberia Ganaunnayan Sangstha (CGS), Chaltaberia, Duttapukur, North 24 Parganas, West Bengal	5
Developing Simulation Model of Technology Diffusion (TechSIM), Adoption & Impact for Forecasting Using Techno-Socio-Psycho-Economic-Ecological Factors	9-10 July 2025	Dr. Sudipta Paul, Dr. N.N. Jambhulkar	NASF-funded project	7
Adoption of CRRI Biofertilizer model	10-11 July 2025	Dr. Upendra Kumar, Dr. Sudipta Paul	*Jaiva-Poshak*	18
Entrepreneurship Development Programme (EDP) on CRRI Bio-stimulants	14-21 July 2025	Dr. Upendra Kumar, Dr. P. Panneerselvam, Dr. Dibyendu Chatterjee	*Jaiva-Poshak*	15
Capacity Building of Board of Directors (BoDs) of FPOs	15-16 July 2025	Dr. S. Mohanty, Dr. P.C. Jena	E-CHASI	39
Adoption of CRRI Biofertilizer model	23-24 July 2025	Dr. Upendra Kumar, Dr. A.K. Mukherjee, Dr. Annie Poonam	*Jaiva-Poshak*	21
Integrated Pest and Disease Management in Rice	25 July 2025	Dr. Shyamaranjan Das Mohapatra, Dr. Raghu S, Dr. Rupak Jena	RKVY Odisha-funded project, "Popularization of BPH-Resistant Rice Variety for the Upliftment of Odisha Farmers' Income	30
Integrated Farming Systems (IFS) and adoption of the CRRI Biofertilizer Model	02 August 2025	Dr. Upendra Kumar, Dr. B. Mondal, Dr. S. Paul	*Jaiva-Poshak*	59
Implementation of Biofertilizer Model	04 August 2025	Dr. Upendra Kumar, Dr. B. Mondal, Dr. A.K. Mukherjee, Dr. S. Paul	*Jaiva-Poshak*	77
Field Day cum Training Programme on Integrated Farming Systems (IFS) and adoption of CRRI Biofertilizer Model	05 August 2025	Dr. Upendra Kumar, Dr. B. Mondal, Dr. A.K. Mukherjee, Dr. Annie Poonam, Dr. S. Paul	*Jaiva-Poshak*	44
Integrated Nutrient Management for fertilizer dealers	18 August -03 September 2025	KVK, Koderma	KVK, Koderma	20
Adoption of CRRI Biofertilizer Model	11–12 August 2025	Dr. Upendra Kumar, Dr. B. Mondal, Dr. A.K. Mukherjee, Dr. Annie Poonam, Dr. P. Panneerselvam	*Jaiva-Poshak*	30

Adoption of CRRI Biofertilizer Model	13–14 August 2025	Dr. Upendra Kumar, Dr. A.K. Mukherjee, Dr. Annie Poonam, Dr. Dibyendu Chatterjee	*Jaiva-Poshak*	46
Integrated Pest Management of Rice	18–22 August 2025	Dr. S.D. Mohapatra, Dr. B. Mondal, Dr. PC Jena, Dr. Rupak Jena	Scheduled Caste Sub Plan (SCSP) scheme	22
Climate-Resilient Paddy Production and Protection Technologies for Sustainable Livelihood of Tribal Farmers	28–31 August 2025	Dr. Mridul Chakraborti, Dr. Raghu S, Dr. Sushmita Munda, and Dr. Rupak Jena	Tribal Sub Plan (TSP) programme	21
Climate Smart Agricultural Practices for Enhancing Resilience and Mitigating GHG Emissions from Rice Fields" at Watershed Management Directorate, Dehradun	29–30 August 2025	Dr. Anjani Kumar	World Bank–funded Uttarakhand Climate Resilient Rainfed Farming Project (UCRRFP)	50
Integrated Farming Systems (IFS) and Progressive Farmers for the adoption of the CRRI Biofertilizer model	2 September 2025	Dr. Upendra Kumar, Dr. B. Mondal, Dr. A.K. Mukherjee, Dr. Annie Poonam	*Jaiva-Poshak*	50
Integrated Farming Systems (IFS) and Progressive Farmers for the adoption of the CRRI Biofertilizer model	3 September 2025	Dr. Upendra Kumar, Dr. B. Mondal, Dr. A.K. Mukherjee, Dr. Annie Poonam	*Jaiva-Poshak*	49
Technology Based Entrepreneurship Development Programme (TEDP) on Smart Urban Farming Technologies	9 September 2025	Dr. B. Mondal, Ms. Shruti Snata Panda	Agribusiness Incubation Centre (ABI)	16
Enhanced fruit and vegetable production	10 September 2025	Dr. B. Mondal, Dr. G.C. Acharya, Dr. Satyapriya Singh	Farmer FIRST Programme	40
Integrated Nutrient Management for *kharif* crops	10 September 2025	Debrup Ghosh	KVK, Koderma	20
Azolla and its benefits in Rice fields	16 September 2025	Debrup Ghosh	KVK, Koderma	20
Integrated Pest Management in Rice	15-19 September 2025	Dr. SD Mohapatra, Mr. Annamalai M, Dr. Keerthana U, Dr. Rajan Kamboj, Dr. PC Jena, Dr. DR Sarangi	Scheduled Caste Sub Plan (SCSP) scheme	22
Integrated Pest Management in *rabi* Vegetables	23 September 2025	Nupur Choudhary	KVK, Koderma	20
IPM and Disease Management in Maize Crop	24 September 2025	Nupur Choudhary	KVK, Koderma	20

प्रदर्शनी में प्रतिभागिता

भाकृअनुप-केन्द्रीय चावल अनुसंधान संस्थान ने इस अवधि के दौरान विभिन्न कृषि प्रदर्शनियों में भाग लिया और किसानों और हितधारकों को लाभान्वित करने के लिए उन्नत चावल उत्पादन प्रौद्योगिकियों और नवाचारों का प्रदर्शन किया।

भुवनेश्वर में भाकृअनुप-राष्ट्रीय खुरपका एवं मुंहपका रोग अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-एनआईएफएमडी) में 5 जुलाई 2025 को आयोजित 24वां स्थापना दिवस में भाग लिया।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, गतिराउतपटना, कटक में 6-7 सितंबर 2025 को आयोजित प्रादेशिक विज्ञान मेला में भाग लिया।।

Participation in Exhibition

ICAR-Central Rice Research Institute (CRRI) actively participated in various agricultural exhibitions during the period, showcasing advanced rice production technologies and innovations to benefit farmers and stakeholders.

24th Foundation Day of ICAR- National Institute of Foot and Mouth Disease (ICAR-NIFMD) at Bhubaneswar on 5 July 2025.

Pradeshika Bijnana Mela at Saraswati Sishu Vidya Mandir, Gatiroutpatna, Cuttack on 6-7 September 2025.

आगंतुक

वर्ष 2025 के जुलाई-सितंबर की अवधि के दौरान भारत के विभिन्न राज्यों जैसे ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र से किसानों, महिला किसानों, विद्यार्थियों और कृषि अधिकारियों सहित कुल 554 आगंतुकों ने संस्थान का दौरा किया। उन्हें कृषि सलाहकार सेवा प्रणाली से अवगत कराया गया।

Visitors

Altogether 554 visitors comprising of farmers, farmwomen, students and Agriculture Officers from different states of India *viz.*, Odisha, Jharkhand, Maharashtra and Chhattisgarh, visited the institute during the period of July-September' 2025. They were exposed to agro advisory services system of the institute during their visit.

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई), कटक, ओडिशा ने कृषि अनुसंधान, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और क्षमता निर्माण में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए इस अवधि के दौरान कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

MoUs Signed

ICAR-Central Rice Research Institute (CRRI), Cuttack, Odisha, signed several Memorandums of Understanding (MoUs) during the period to foster collaborations in agricultural research, technology transfer, and capacity building.

Name of the Technology	Name of the Institute/Company	Date of MoU
MoU for Inbred Variety CR Dhan 312	ICAR-CRRI and M/s Raghunandan Hybrid Seeds, Gram-Hasauli, Post-Ghanshyampur, Block–Jamalpur, Tahsil-chunar, Dist-Mirzapur, Uttar Pradesh	28 August 2025
Integrated Bio-Stabilization of Heavy Metals in Fly Ash-Amended Soils: A Scalable Biotech-Agronomic Solution for Odisha & Bio Transformation of Fly Ash into Safe Bio-fertilizer through Biological Heavy Metal Immobilization	State Pollution Control Board. Odisha, ICAR-Central Rice Research Institute, Cuttack, Odisha University of Agriculture & Technology, Bhubaneswar and Sambalpur University, Sambalpur	15 September 2025

RESEARCH NOTE

Effect of Seedling Age on Susceptibility of rice to *Sclerotium rolfsii* causing early seedling blight in rice nurseries

Early seedling blight disease is emerging as a major constraint in rice nurseries in Eastern India. The disease causes severe loss of nurseries as the seedlings mainly infects resulting in 50-80% loss of seedlings. This creates a concern among farmers of rising of seeds beds again and again due to non-availability of seedlings for transplanting. *Sclerotium rolfsii*, a fungal pathogen responsible for the disease produces symptoms like typical signs of soft rot, yellowing of leaves, white cottony mould growth on above and below ground plant parts. Numerous sclerotia which are mustard sized initially white, later turn to brown color develops on soil surface, and basal stem of young infected seedlings. In the present investigation, the effect of seedling age on disease incidence was assessed. Healthy seeds of TN-1 variety was sown in sterilized soil in earthen pots and allowed for germination. Then the seedlings were inoculated at the base by mixing in soil with the mass multiplied inoculum of *Sclerotium rolfsii* at 2,4,6,8,10,12,14,16,18 and 20 days after germination. It was observed that, the seedling blight developed from 8 days after germination till 16th day. The disease severity decreased with increasing plant age. No disease was observed after 20 days after germination. The Highest disease severity (85.50%) was recorded in 14 DAS inoculated plants. The findings suggest that, the seedlings were susceptible for the disease at the early developmental stages (8-18 DAS). The susceptibility of the disease reduced after 20 DAS. Hence, the management measures should be taken up during these critical days to save the crop at nursery.

Seedlings of 8 days old severely infected

Completely dead seedlings (16 days old)

Raghu S, Jeevan B, Rupak Jena, and SD Mohapatra
ICAR-Central Rice Research Institute, Cuttack, Odisha

Identification of a novel resistance source against rice bakanae disease

Rice bakanae disease is emerging as a major problem in non-basmati regions of Eastern India. The disease is frequently being observed in moderate to severe form in medium slender varieties. Eastern India being a major rice bowl of the country managing this emerging disease is immediately needed. In the present investigation, 121 rice varieties released by ICAR-Central Rice Research Institute (CRRI) and 20 native land races from Kerala, were screened for their resistance under artificial inoculation condition. Modified seed inoculation was followed with a highly virulent strain (GF-3), and disease scoring was done as per SES score and Fiyaz et al., (2014). Seeds of all the entries were initially surface sterilized with 1% NaOCl for 2 min. Later, the seeds were washed three times using distilled water to remove the traces of the NaOCl. The seeds were soaked in distilled water for next 24 h. Next day, seeds were challenge inoculated with pathogen spore suspension (1.0×10^6 conidia/ml) for 24 h.

Shade dried the seeds for 30 min before being sowing in portrays containing sterilized soil and sand mixtures in a 3:1 ratio. The observations were recorded after 100% germination when the symptoms were observed. Among these screened lines, varieties like Luna Sankhi, Improved Tapaswini, Sarasa, Sadabahar, CR-311, Kshira, Wifa-10, Binadhan-8 and Tavalakanna (land race from Kerala) were highly resistant (HR), 31 varieties were moderately resistant (MR), and rest 73 were highly susceptible (HS). Highly Resistant land race Tavalakanna can be utilized in further breeding program by crossing with popular susceptible line to develop resistant variety.

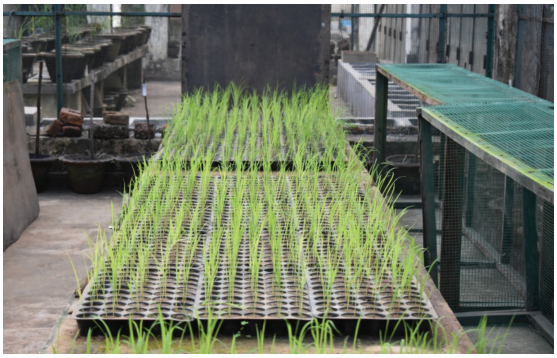

Un inoculated Plants

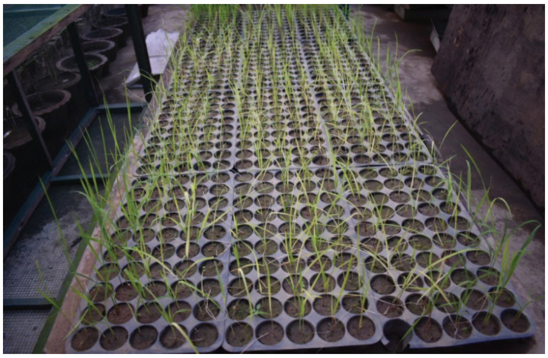

Inoculated Plants

Raghu S, Jeevan B, Anilkumar C,
Rupak Jena and SD Mohapatra
ICAR-Central Rice Research Institute, Cuttack, Odisha

Estimation of Potential Recharge Flux from Bunded Paddy Fields under Varying Ponding Depth

Bunded paddy field acts as a micro water harvesting structure. The percolation fluxes after rainfall of irrigation events in a paddy field under bunded condition joins the ground water table thereby recharging the ground water table. Estimation of potential recharge flux from bunded paddy fields helps estimation of the ground water recharge under varying ponding depths.

The in-situ recharge rate/percolation flux from bunded paddy field of ICA-CRRI Research farm was estimated by conducting a field experiment in the B4b plot of the farm following the drum culture technique (Kaur, 2014; Dastane, 1978). Daily ET value (Drum 1) and the ET+R values were measured in the field and the recharge rate/percolation rate was calculated as the difference between water depth at Drum-1 and the Drum-2 on daily basis. From the daily water balance study, it was observed that out of the total water losses through ET and percolation, from the paddy field ET contributed 60% whereas Recharge Flux contributed to 40% in the farm. Monthly average ET was observed as 0.6 cm/day, 1.2 cm/day and 1.5 cm/day and the monthly average Recharge Flux was observed as 0.1 cm/day, 0.8 cm/day and 0.7 cm/day for the month of March, April, and May 2024 from the experimental field (Fig. 4). The irrigation return flow from the experimental field was observed as 40%.

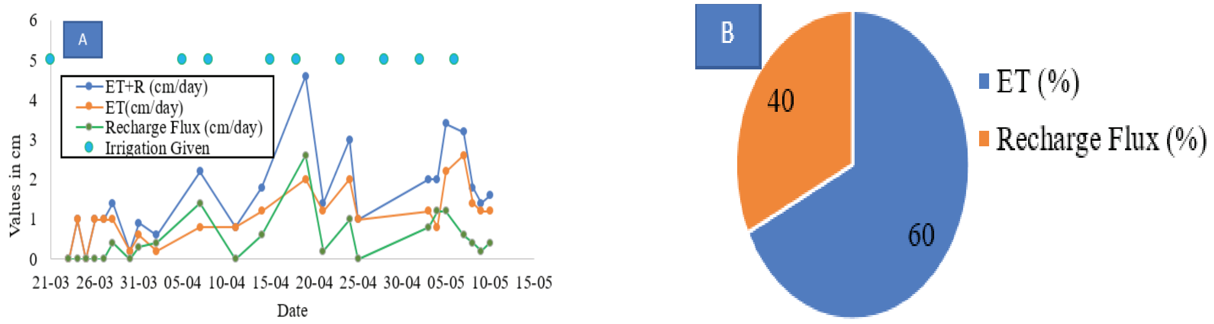

Fig. 4. Measured daily ET, and Recharge Flux from Bunded Paddy Field of ICAR-CRRI Research Farm (A), and Percentage contribution of ET and Recharge Flux to the total water loss from CRRI, Research Farm (B).

Manish Debnath, Rahul Tripathi, P.C. Jena,
Anjani Kumar, Supriya Priyadarsani, Rubina Khannam, B.R. Goud
ICAR-Central Rice Research Institute, Cuttack, Odisha

Evaluation of Arunachal Pradesh rice accessions for low Phosphorus tolerance under rainfed ecology of Jharkhand

Phosphorus availability is low in acidic red and lateritic soils of eastern and northeastern India, and parts of central India, where P gets fixed by iron and aluminium oxides, making it unavailable to the plants. Phosphorus (P) is vital for root development, tillering, and grain filling and its shortage adversely impacts yield. One of the challenges of rice cultivation especially in the acidic, P-fixing soils of eastern India and rainfed uplands is deficiency of this major nutrient. Screening of rice germplasm for *Pup1* locus not only aids in identifying potential donors but also accelerates the development of nutrient-efficient varieties. Such varieties reduce fertilizer dependency, cut cultivation costs for resource-poor farmers, and improve rice productivity in rainfed, acidic, and P-deficient soils of India, contributing to national food security. The present study is focussed on phenotypic and molecular screening of Arunachal Pradesh rice accessions for low P tolerance under rainfed ecology of Jharkhand. A set of 40 accessions procured from CRRI gene bank screened phenotypically for low P tolerance under field conditions of High P (P-sufficient with recommended dose of phosphatic fertilizer>25 ppm soil P) and Low P (P deficient or stress plot, 8 ppm soil P) in an alpha lattice design with three replications. Observations were taken for days to flowering, number of tillers, plant height (cm), panicle length (cm), grain yield per row (g) and spikelet sterility (%). The same set of germplasms along with 4 checks i.e. Dular, Vandana and Sahbhagidhan (Tolerant) and IR 64 (Intolerant) were surveyed for presence of *Pup1*gene using 9 gene specific markers linked to the low phosphorus tolerance trait *viz., K29-1, K29-2, K29-3, K42, K43, K45, K46-2, K52* and *K59.*

The phenotypic screening of accessions indicated mean grain yield, 21.20g and 16.00 g; days to flowering, 83days and 84 days and plant height, 97.88 cm and 93.80 cm under HP and LP respectively. Grain yield ranged from 5.14g (Sarpung) to 34.89g (Naga Um) under LP and 10.24g (Sarpung) to 38.22g (Naga Um) under HP condition. Days to flowering ranged from 82.63 cm (Radang) to 102.67 cm (Naga Um) under LP and 81.60 cm (Adi) to 129.87cm (Nishin) under HP condition. Molecular survey showed presence of *Pup1* genes in 66% of accessions under study. Among the accessions, the frequency of 9 *Pup1* specific markers varied as 21% (K52 and K29-3), 24% (K43 and K 45), 26 % (K 59), 29% (K46-2), 32% (K29-2), 34% (K29-1) and 52% (K42). The accession observed highest yield (Naga Um) under both HP and LP conditions, gave positive result with the markers, K 59, K46-2, K 45, K43, K42 and K29-2. However, the accession, Rungpchi, which gave almost equal yield under both HP and LP conditions, did not amplify any of these markers. The accession, Lengme gave positive result with all the 9 markers, yielded 17.11g and 15.18g under HP and LP conditions, respectively. The accession, Kilong gave almost equal yield under both HP and LP conditions and positive response to all the markers except K29-2. Similarly, the accession, Serome, one of the highest yielders (36.17 and 30.97g) under HP and LP, respectively, gave positive response to all the markers except K29-1.

The results indicated that the genotypes under study are showing good tolerance for low soil P stress and can be a potential source for low P tolerance under rainfed ecology of Jharkhand. The promising genotypes showing positive result with most effective marker, K 46-2 as well as maintained consistency with respect to yield under both High P and Low P conditions were Rimi, Nishin, Damchak, Adi, Jijiko, Bamak, Naar, Serome, Kilong, Naga Um and Lengme.

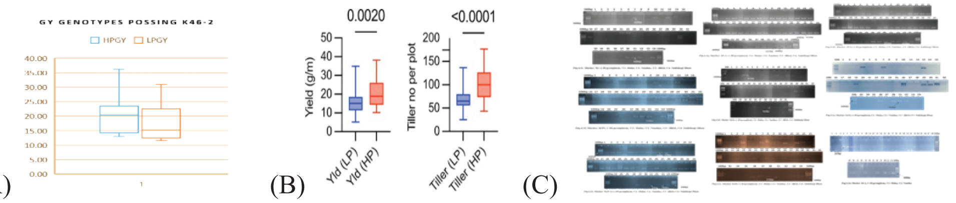

(A) (B) (C)

Fig. Box plot showing variation in (A) grain yield of genotypes amplifying K46-2 marker; (B) mean grain yield and tiller number under LP and HP conditions; (C) Screening: *Pup1* gene specific markers

Priyamedha, Somnath Roy, B.C. Verma,
A. Banerjee and N.P. Mandal
CRURRS (ICAR-CRRI), Hazaribag

Fungal Fingerprints of Success: *Pseudoxylaria* as a Bioindicator of Termite Bait Efficacy

Termites are among the most destructive pests in forestry, agriculture, and structural environments. Conventional insecticides often fail to eliminate colonies due to their subterranean nesting habits and complex social organization. Bait matrix technology, which uses slow-acting toxicants distributed within colonies, has emerged as a sustainable method for termite management. However, monitoring bait success under field conditions is challenging, as excavation of colonies is both laborious and destructive. Biological indicators such as *Pseudoxylaria* spp., which reflect colony mortality, can aid in evaluating bait efficacy. These fungi are opportunistic colonizers of organic-rich substrates and typically develop once termite activity ceases or when mounds are abandoned. The present study aimed to evaluate the efficacy of bait matrix against termites and to assess its success using biological indicators such as the growth of *Pseudoxylaria* spp. on abandoned mound structures.

The study was conducted at CRRI-CRURRS, Hazaribag, in an upland rice ecosystem by installing bait stations (three per mound) near termite mounds of *Odontotermes* spp. After successfully attracting termites to the bait stations using pine wood planks, the bait matrix containing cellulose with chitin synthesis inhibitors like diflubenzuron 0.1 % was applied (100 g/ bait station) until termite activity ceased. Control mounds were maintained by applying bait containing only cellulose. Mound activity was monitored fortnightly by recording bait consumption, presence of live termites, and external repair of mound structures. Following the cessation of termite activity, mounds were visually examined for signs of fungal colonization.

The average bait consumption rate of termites was 700g/ mound and within eight weeks of bait matrix application, treated mounds showed no external repair activity, and live termites were absent during inspections. In 88.88% of treated mounds (n=9), profuse development of *Pseudoxylaria* fruiting bodies was observed within two weeks of colony collapse. By contrast, no *Pseudoxylaria* growth was detected in untreated control mounds, which remained active throughout the study period. The consistent development of *Pseudoxylaria* fungi in treated, abandoned mounds indicates that these fungi act as opportunistic colonizers once termite colonies die. Healthy termites maintain nest hygiene through grooming, antimicrobial secretions, and cultivation of symbiotic *Termitomyces*. The visible emergence of *Pseudoxylaria* fruiting bodies provides a simple, non-invasive, and cost-effective field marker of bait matrix efficacy, thereby reducing the need for destructive excavation. **Fig.** Termite bait efficacy and emergence *Pseudoxylaria* spp., from abandoned mound. A. Termite mound; B. Bait station; C. Installation of bait station near mound; D. Bait station containing pinewood infested by termites; E. Bait matrix application in station; F. Bait matrix fed by termites; G. *Pseudoxylaria* spp., emergence from abandon mound; H. Fruiting body of *Pseudoxylaria* spp.

Arunkumara C.G., Amrita Banerjee, S. Bhagat, Soumya Saha,
B.C. Verma, Priyamedha, S.M. Prasad, Somnath Roy and N.P. Mandal
CRURRS (ICAR-CRRI), Hazaribag

सम्मेलन/परिसंवाद/कार्यशाला/शीतकालीन पाठ्यक्रम/प्रदर्शनी/प्रशिक्षण कार्यक्रमों/बैठकों में प्रतिभागिता

Seminar/ Symposia/ Workshop/ Winter School/ Exhibition/ Training Programmes/ Meetings attended

Sl. No.	Particulars	Date	Participants
1.	Pre demonstration Training on "Scientific Nursery Management of Rice" at Badkagaon under TSP	2 July 2025	Dr. S.M.Prasad, Dr. S.Bhagat Dr. B.C.Verma Dr. Priyamedha
2.	ATARI Foundation Day at Patna	19 August 2025	Dr. A.K. Rai and Rupesh Kumar
3.	Visited Ramakrishna Mission Vivekananda Educational and Research Institute (RKMVERI) regarding collaborative endeavour in common areas of mutual interest between ICAR-CRRI and RKMVERI at Howrah, West Bengal	20-21 August 2025	Dr. G.A.K. Kumar
4.	RKVY-Agribusiness Incubator (R-ABI) at Krishi Bhavan, New Delhi	25 August 2025	Dr. G.A.K. Kumar
5.	Annual Zonal Workshop for the KVKs under ICAR-ATARI, Kolkata at UBKV, Cooch Behar, Kolkata	29 August 2025	Dr. G.A.K. Kumar
6.	Attended as a lead speaker to address the officers on the topics "Approaches for Sustainable Rice Production" and "Strategies and Technologies to Boost Rice Productivity" in the second batch of the "Capacity Building Programme on Public Policy and Governance for the Civil Servants of Madagascar" at NCGG, Mussoorie, Uttarakhand	03 September 2025	Dr. G.A.K. Kumar
7.	As special guest and co-chair the Technical Session in the Annual Workshop-2025 of KVKs under ICAR-ATARI, Zone VII at CAU, Imphal.	08-10 September 2025	Dr. G.A.K. Kumar
8.	Short course on Recent Intervention and Nutritional Strategies for ensuring food security	01-11 September 2025	Dr. Chanchila Kumari and Nupur Choudhary

9.	21 days Faculty Development Programme cum Training on Academic Network for Nurturing Agricultural Development through Advance Training and Awareness	16 August 2025 to 05 September 2025	Dr. Bhoopendra Singh
10.	Annual Rabi Oilseeds Group Meet-2025 at BAU, Ranchi	9 September 2025	Dr. N.P. Mandal
11.	National Conference on Transformative Approached and Smart Technology in Plant and Animal Health for Sustainable & Climate-Ready Agriculture at PSB, Visva-Bharati, Shantiniketan, West Bengal	18-19 September 2025	Dr.Amrita Banerjee Dr. Somnath Roy
12.	22nd Seed Council Meeting at BAU, Ranchi	23 September 2025	Dr. Priyamedha

पुरस्कार

1. डॉ. अमृता बनर्जी को 18-19 सितंबर 2025 के दौरान पीएसबी, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन में 'सतत और जलवायु-तैयार कृषि के लिए पौधों और पशु स्वास्थ्य में परिवर्तनकारी उपाय और स्मार्ट प्रौद्योगिकी' शीर्षक पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान कृषि विज्ञान उन्नति अकादमी, कल्याणी, नादिया, पश्चिम बंगाल द्वारा युवा महिला वैज्ञानिक पुरस्कार-2025 (फसल सुरक्षा) से सम्मानित किया गया।
2. डॉ. सोमनाथ रॉय को 18-19 सितंबर 2025 के दौरान पीएसबी, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान कृषि विज्ञान उन्नति अकादमी, कल्याणी, नादिया, पश्चिम बंगाल द्वारा सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक पुरस्कार-2025 (फसल विज्ञान) प्राप्त हुआ।
3. पीएसबी, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन में "सतत और जलवायु-तैयार कृषि के लिए पौधों और पशु स्वास्थ्य में परिवर्तनकारी उपाय और स्मार्ट प्रौद्योगिकी" शीर्षक पर 18-19 सितंबर 2025 के दौरान आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में थीसिस पुरस्कार (फसल विज्ञान) के लिए डॉ. पुरंजय सार (एसआरएफ, ईएपी 335; पीआई-डॉ. सोमनाथ रॉय) को सर्वश्रेष्ठ पीएच.डी. थीसिस (फसल विज्ञान) पुरस्कार और सुश्री नयनिका गुहा (एम.एससी. छात्रा, आईसीएआर-आईएआरआई, झारखंड; मार्गदर्शक-डॉ. सोमनाथ रॉय) को सर्वश्रेष्ठ एम.एससी. सम्मानित किया गया।

Award

1. Dr. Amrita Banerjee received the Young Women Scientist Award – 2025 (Crop Protection) from the *Academy for Advancement of Agricultural Sciences, Kalyani, Nadia, West Bengal* during the *National Conference on Transformative Approaches and Smart Technology in Plant and Animal Health for Sustainable & Climate-Ready Agriculture* held at PSB, Visva-Bharati, Shantiniketan, during 18–19 September 2025.
2. Dr. Somnath Roy received the Best Scientist Award – 2025 (Crop Science) from the *Academy for Advancement of Agricultural Sciences, Kalyani, Nadia, West Bengal* during the same national conference at PSB, Visva-Bharati, Shantiniketan, during 18–19 September 2025.
3. Dr. Puranjoy Sar *(SRF, EAP 335; PI – Dr. Somnath Roy)* received the Best Ph.D. Thesis Award (Crop Science) and Ms. Nayanika Guha *(M.Sc. student, ICAR-IARI, Jharkhand; Guide – Dr. Somnath Roy)* received the Best M.Sc. Thesis Award (Crop Science) at the *National Conference on Transformative Approaches and Smart Technology in Plant and Animal Health for Sustainable & Climate-Ready Agriculture* held at PSB, Visva-Bharati, Shantiniketan, during 18–19 September 2025.

Publication

Research Journals

Sar P, Behera M, Chakraborty K, Ngangkham U, Verma BC, Banerjee A, Bhaduri D, Kumar J, Mandal NP, Kole PC and Roy S (2025). Physiological and Genetic Insights into Drought Tolerance in Aus Rice: Variability, Trait Correlations, and Breeding Implications. *Journal of Plant Growth Regulation*. DOI: 10.1007/s00344-025-11814-4 (NAAS rating 9.90).

नियुक्ति

1. श्री पप्पू कुमार यादव ने 30 जुलाई 2025 को सीआरआरआई, कटक में तकनीशियन के पद पर कार्यभार संभाला।
2. श्री संतोष कुमार पात्र, प्रवर श्रेणी लिपिक (ग्रहणाधिकार) ने 12 अगस्त 2025 को सीआरआरआई, कटक में पुन: कार्यभार संभाला।
3. श्री अभिषेक प्रताप ने 1 सितंबर 2025 को सीआरआरआई, कटक में सहायक सहायक के पद पर कार्यभार संभाला।
4. डॉ. अमित कुमार दास ने 22 सितंबर 2025 को सीआरआरआई, कटक में वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान) के पद पर कार्यभार संभाला।
5. डॉ. बिस्वजीत सेन ने 29 सितंबर 2025 को सीआरआरआई, कटक में वैज्ञानिक (कृषि अर्थशास्त्र) वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान) के पद पर कार्यभार संभाला।

Appointment

1. Shri Pappu Kumar Yadav, Technician, joined at ICAR-CRRI, Cuttack on 30 July 2025.
2. Shri Santosh Kumar Patra, LDC (lien) re-joined at ICAR-CRRI, Cuttack on 12 August 2025.
3. Shri Abhishek Pratap, Assistant joined at ICAR-CRRI, Cuttack on 1 September 2025.
4. Dr. Amit Kumar Das, Scientist (Soil Science) joined at ICAR-CRRI, Cuttack on 22 September 2025.
5. Dr. Biswajit Sen, Scientist (Agril. Economics) joined at ICAR-CRRI, Cuttack on 29 September 2025.

स्थानांतरण/ इस्तीफा

1. श्री अभिषेक आनंद, सहायक को भाकृअनुप-अटारी, जबलपुर में कार्यभार ग्रहण करने के लिए 14.08.2025 को भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक से कार्यमुक्त किया गया।
2. श्री सत्यब्रत मिश्र, वरिष्ठ तकनीशियन को भाकृअनुप-सीआईएफए, भुवनेश्वर में कार्यभार ग्रहण करने के लिए 28.08.2025 को भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक से कार्यमुक्त किया गया।
3. श्रीमती. जली दास, अवर श्रेणी लिपिक और श्री मनोरंजन दास, मल्टी-टास्किंग स्टाफ, आरआरएलआरआरएस को आईसीएआर-

Transfer/ Resigned

1. Shri Abhishek Anand, Assistant relieved on 14.08.2025 to join at ICAR-ATARI, Jabalpur.
2. Shri Satyabrata Mishra, Senior Technician relieved on 28.08.2025 to join ICAR-CIFA, Bhubaneswar.
3. Smt. Jali Das, UDC and Shri Manoranjan Das, Multi-Tasking Staff, RRLRRS relieved on 01.09.2025 to join ICAR-IARI, Assam.

आईएआरआई, असम में शामिल होने के लिए 01.09.2025 को कार्यमुक्त किया गया।

4. डॉ. प्रभुकार्तिकेयन एसआर, वरिष्ठ वैज्ञानिक (पादप रोगविज्ञान) को 18.09.2025 को आईसीएआर-राष्ट्रीय केला अनुसंधान केंद्र, तमिलनाडु में शामिल होने के लिए कार्यमुक्त किया गया।

5. डॉ. (श्रीमती) कविता कुमारी, वैज्ञानिक (कृषि विज्ञान) आईसीएआर-आईएसआरआई, लखनऊ में शामिल होने के लिए 19.09.2025 को कार्यमुक्त कर किया गया ।

4. Dr. Prabhukarthikeyan SR, Senior Scientist (Plant Pathology) relieved on 18.09.2025 to join at ICAR-NRC on Banana, Tamil Nadu.

5. Dr. (Mrs.) Kavita Kumari, Scientist (Agronomy) relieved on 19.09.2025 to join at ICAR-ISRI, Lucknow.

पदोन्नति/वित्तीय लाभ

Promotion/ Financial Benefit

Sl. No.	Name	Promoted to next higher grade	w.e.f
1.	Shri Ugan Saw, Sr. Technical Assistant (T-4) (Workshop Staff)	Technical Officer (T-5)	17.12.2023
2.	Shri Bidyasgar Mandal, Sr. Technical Assistant (T-4) (Field/Farm Technician)	Technical Officer (T-5)	09.01.2024
3.	Shri Jeetendra Senapaty, Shri Dharmendra Baral, Shri Debakanta Nayak, Shri Ekamra Kanan Padhan, Technical Assistant (T-3) (Field/Farm Technician)	Senior Technical Assistant (T-4)	04.09.2023
4.	Shri Jitendra Kumar, Technical Assistant (T-3) (Laboratory Technician)	Senior Technical Assistant (T-4)	04.09.2023
5.	Shri Susanta Kumar Mahapatra, Technical Assistant (T-3) (Field/Farm Technician)	Senior Technical Assistant (T-4)	05.09.2023
6.	Shri Sarat Chandra Sahoo, Technical Assistant (T-3), (Field/Farm Technician) Shri Surya Prasad Lenka, Technical Assistant (T-3), (Workshop Staff)	Senior Technical Assistant (T-4)	06.09.2023
7.	Dr. Sagar Banerjee, Shri Debabrata Samal and Smt. Baneeta Mishra, Technical Assistant (T-3) (Field/Farm Technician)	Senior Technical Assistant (T-4)	07.09.2023
8.	Shri Biswaranjan Behera, Shri Punyaloka Samantaray, Technical Assistant (T-3) (Field/Farm Technician)	Senior Technical Assistant (T-4)	10.09.2023
9.	Shri Harmohan Pradhan, Technical Assistant (T-3) (Field/Farm Technician)	Senior Technical Assistant (T-4)	11.09.2023
10.	Shri Abinash Parida, Shri E. Venkat Ramaiah, Technical Assistant (T-3) (Field/Farm Technician)	Senior Technical Assistant (T-4)	14.09.2023
11.	Smt. Saloni Baskey, Technical Assistant (T-3) (Field/Farm Technician)	Senior Technical Assistant (T-4)	20.09.2023

12.	Shri Satyabrata Mohanty, Technical Assistant (T-3) (Field/Farm Technician)	Senior Technical Assistant (T-4)	25.09.2023
13.	Dr. Aurobinda Mohanty, Technical Assistant (T-3) (Field/Farm Technician)	Senior Technical Assistant (T-4)	26.09.2023
14.	Shri Gaban Mandi, Technical Assistant (T-3) (Field/Farm Technician)	Senior Technical Assistant (T-4)	28.09.2023
15.	Shri Rodda Prabhakar Rao, Technical Assistant (T-3) (Field/Farm Technician)	Senior Technical Assistant (T-4)	22.10.2023
16.	Shri Ankit Anand, Technical Assistant (T-3) (Field/Farm Technician)	Senior Technical Assistant (T-4)	29.10.2023
17.	Shri Debabrata Das, Technician (T-1) (Laboratory Technician)	Senior Technician (T-2)	19.06.2024
18.	Shri Jyoti Prakash Das, Technician (T-1) (Field/Farm Technician)	Senior Technician (T-2)	20.06.2024
19.	Shri Jiten Kumar Sahu, Technician (T-1) (Workshop Staff)	Senior Technician (T-2)	22.06.2024
20.	Shri Dubendu Bhushan Sahoo, Technician (T-1) (Laboratory Technician)	Senior Technician (T-2)	24.06.2024
21.	Shri Kanhu Charan Barik, Technician (T-1) (Field/Farm Technician)	Senior Technician (T-2)	24.06.2024
22.	Shri Manoj Patra, Technician (T-1) (Field/Farm Technician)	Senior Technician (T-2)	24.06.2024
23.	Shri Anshu Kumar Suman, Technician (T-1) (Workshop Staff)	Senior Technician (T-2)	02.07.2024
24.	Shri Sworaj Kumar Roul, Technician (T-1) (Field/Farm Technician)	Senior Technician (T-2)	03.07.2024
25.	Shri Subrata Halder, Technician (T-1) (Field/Farm Technician)	Senior Technician (T-2)	09.07.2024
26.	Shri Sanjeet Kumar, Technician (T-1) (Field/Farm Technician)	Senior Technician (T-2)	12.07.2024
27.	Shri Sanjay Kumar, Technician (T-1) (Laboratory Technician)	Senior Technician (T-2)	15.07.2024
28.	Shri Suryakanta Das, Technician (T-1) (Field/Farm Technician)	Senior Technician (T-2)	16.07.2024
29.	Md. Shadab Akhtar, Technician (T-1) (Field/Farm Technician)	Senior Technician (T-2)	16.07.2024
30.	Shri Ranjan Rana, Technician (T-1) (Field/Farm Technician)	Senior Technician (T-2)	07.09.2024
31.	Shri Benudhar Sethi, Technician (T-1) (Field/Farm Technician)	Senior Technician (T-2)	09.09.2024
32.	Shri Sarada Prasanna Sahoo, Technician (T-1) (Field/Farm Technician)	Senior Technician (T-2)	12.09.2024
33.	Shri Satyabrata Mishra, Technician (T-1) (Field/Farm Technician)	Senior Technician (T-2)	19.09.2024
34.	Shri Suraj Kumar, Technician (T-1) (Field/Farm Technician)	Senior Technician (T-2)	26.09.2024
35.	Shri Bijaya Kumar Khuntia, Technician (T-1) (Workshop Staff)	Senior Technician (T-2)	30.09.2024
36.	Shri Tapas Kumar Behera, Technician (T-1) (Laboratory Technician)	Senior Technician (T-2)	06.11.2024
37.	Shri Krushna Chandra Munda, Technician (T-1) (Field/Farm Technician)	Senior Technician (T-2)	07.11.2024
38.	Shri Swarup Mohapatra, Technician (T-1) (Field/Farm Technician)	Senior Technician (T-2)	25.11.2024
39.	Sarfaraz Akhtar, Technician (T-1) (Field/Farm Technician)	Senior Technician (T-2)	26.11.2024

सेवानिवृत्ति

1. श्री केशब चंद्र दास, वरिष्ठ तकनीशियन 31 अगस्त 2025 को सेवानिवृत्त हुए।
2. श्री पांडब नाइक, कुशल सहायक कर्मचारी, श्री देबराज नाइक, कुशल सहायक कर्मचारी और श्री बंसीधर नाइक, कुशल सहायक कर्मचारी 30.09.2025 को सेवानिवृत्त हुए।

Retirement

1. Shri Keshab Chandra Das, Senior Technician retired on 31.08.2025.
2. Shri Pandab Naik, SSS, Shri Debaraj Naik, SSS and Shri Bansidhar Naik, SSS retired on 30.09.2025.

निदेशक की कलम से
From Director's Desk

सीआरआरआई द्वारा विकसित सतत फसल सुरक्षा प्रौद्योगिकियां स्थानीय स्तर पर फसल नुकसान के वैश्विक बोझ को कम करने में संयुक्त राष्ट्र के प्रयासों को सुदृढ़ करती हैं

Sustainable crop protection technologies developed by CRRI reinforce UN efforts in minimizing global burden of crop losses at local levels

वैश्विक फसल उत्पादन का 40 प्रतिशत भाग प्रतिवर्ष कीटों और बीमारियों के कारण नष्ट हो जाता है, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रति वर्ष 220 बिलियन डॉलर से अधिक का नुकसान होता है। ये नुकसान खाद्य असुरक्षा में योगदान करते हैं और संसार भर में खाद्य आपूर्ति और अर्थव्यवस्थाओं पर कीटों के महत्वपूर्ण प्रभाव को उजागर करते हैं। सतत सतत फसल सुरक्षा संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) जैसे गरीबी से निपटने (एसडीजी 1), खाद्य सुरक्षा (एसडीजी 2), अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण (एसडीजी 3), लैंगिक समानता को बढ़ावा देने (एसडीजी 5), जलवायु कार्रवाई (एसडीजी 13) और स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र (एसडीजी 15) की रक्षा में योगदान करता है। इस दृष्टिकोण में पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों और तरीकों का उपयोग करना, किसानों की आजीविका को बढ़ाना और जलवायु परिवर्तन और चरम मौसम के अनुकूल उनकी क्षमता को मजबूत करना शामिल है। प्राकृतिक खेती, जैविक खेती और प्रासंगिक एसडीजी को संबोधित करने के लिए उपयुक्त पर्यावरण अनुकूल चावल स्वास्थ्य प्रबंधन प्रतिरोधी किस्मों, पर्यावरण अनुकूल कीट प्रबंधन नवाचारों और सटीक निदान जैसी आधुनिक वैज्ञानिक प्रौद्योगिकियों की तैनाती के माध्यम से वैश्विक प्रयासों का मूल है।

भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान कटक (सीआरआरआई) क्षेत्रीय स्तर पर स्थिर फसल सुरक्षा प्रौद्योगिकियों के विकास और प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बदलती जलवायु परिस्थितियों में, भूरा पौध माहू चावल की खेती के लिए एक बड़ा खतरा बनकर उभरा है। भूरा पौध माहू का रासायनिक नियंत्रण एसडीजी के लिए एक बाधा है, जबकि हरित रसायन और प्रतिरोधी किस्में इसका सही उत्तर हैं। सीआरआरआई द्वारा विकसित भूरा पौध माहू प्रतिरोधी किस्में सीआर धान-317 और सीआर धान-805 को ओडिशा और अन्य जगहों के किसानों के बीच लोकप्रिय बनाया जा रहा है।

Up to 40% of global crop production is lost annually to pests and diseases, costing the global economy over $220 billion per year. These losses contribute to food insecurity and highlight the significant impact pests have on food supply and economies worldwide. Sustainable crop protection supports the UN's Sustainable Development Goals (SDGs) by contributing to combating poverty (SDG 1), food security (SDG 2), good health & well-being (SDG 3), promoting gender equality (SDG 5), climate action (SDG 13) and protecting terrestrial ecosystems (SDG 15). The approach includes using eco-friendly products and methods, enhancing farmer livelihoods, and strengthening their capacity to adapt to climate change and extreme weather. Environment-friendly rice health management suitable for natural farming, organic farming and for addressing relevant SDGs forms core of the global efforts through deployment of the modern scientific technologies such as resistant varieties, ecofriendly pest management innovations and precision diagnostics.

ICAR-Central Rice Research Institute Cuttack (CRRI) has been playing a pivotal role in development and deployment of sustainable crop protection technologies at the field level. In the changing climatic situations, brown plant hopper (BPH) has emerged a major threat to rice cultivation. Chemical control of BPH is a bottleneck to SDGs, while green chemistry and resistant varieties are the right answers. BPH resistant varieties CR Dhan-317 and CR Dhan-805 developed by CRRI are being popularized among farmers of the Odisha and elsewhere.

जैवनियंत्रण कारक जीवित जीव हैं, जैसे प्रोबायोटिक्स, जिनका उपयोग कीटों और फसलों को नुकसान पहुंचाने वाली बीमारियों को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है, जो रासायनिक कीटनाशकों के लिए पर्यावरण के अनुकूल विकल्प प्रदान करते हैं। सीआरआरआई ने पर्यावरण-अनुकूल नियंत्रण हेतु नए उपाय विकसित किए हैं - कीट जैवनियंत्रण कारक (उदाहरण के लिए, पीला तना छेदक के खिलाफ ट्राइकोग्रामा जैपोनिकम और पत्ता लपेटक के खिलाफ ट्राइकोग्रामा काइलोनिस, पत्ता लपेटक के खिलाफ ब्रैकोनिड पैरासिटोइड्स) और कीटों के खिलाफ माइक्रोबियल जैवनियंत्रण कारक (जैसे, बैसिलस थुरिंजिएन्सिस, ब्यूवेरिया बैसियाना और मेटारिज़ियम एनिसोप्लिए) और रोगों के खिलाफ माइक्रोबियल बीसीए (जैसे, ट्राइकोडर्मा)। सीआरआरआई ने रोगजनकों, जैसे ट्राइकोडर्मा और अन्य प्रजातियों के खिलाफ विभिन्न माइक्रोबियल बीसीए की पहचान की है जो न केवल उत्कृष्ट जैवनियंत्रक कारक हैं बल्कि उत्कृष्ट पौधे विकास प्रवर्तक भी हैं और एक भारतीय पेटेंट प्राप्त किया गया है।

किसानों के लाभ के लिए सीआरआरआई द्वारा पेटेंट प्रकाश जाल, फेरोमोन जाल और अन्य जाल जैसे कीट निगरानी उपकरण विकसित और व्यावसायीकरण किए गए हैं। सीआरआरआई द्वारा शुरू की गई निर्णय समर्थन प्रणाली (उदाहरण के लिए, राइसएक्सपर्ट) का किसानों और अन्य हितधारकों द्वारा व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है।

सीआरआरआई अर्ध-रासायनिक-आधारित कीट प्रबंधन, कीटनाशक अवशेषों की निगरानी और नवीन परिशोधन प्रौद्योगिकियों में सबसे आगे है। ये प्रयास सीधे तौर पर रासायनिक प्रदूषण को कम करते हैं, जलीय और स्थलीय पारिस्थितिक तंत्र दोनों की रक्षा करते हैं, और हानिकारक संदूषकों के प्रतिकूल प्रभावों से जैव विविधता को संरक्षित करते हैं।

रीकॉम्बिनेज़ पॉलीमरेज एम्प्लीफिकेशन (आरपीए) एक आधुनिक, तीव्र और संवेदनशील इज़ोटेर्मल न्यूक्लिक एसिड एम्प्लीफिकेशन तकनीक है जिसका उपयोग मुख्य रूप से पौधों के रोगजनकों के निदान में किया जाता है। 37 डिग्री सेल्सियस पर इज़ोटेर्मल परिस्थितियों में 60 मिनट के भीतर कच्चे अर्क का उपयोग करके चावल के बालियों से सीधे चावल फसल के कंडुवा रोगजनक का पता लगाने के लिए एक आरपीए-आधारित रैपिड डायग्नोस्टिक प्रोटोकॉल विकसित किया गया है। यह विधि रोगजनक का त्वरित और संवेदनशील क्षेत्र पता लगाने में सक्षम बनाती है, जिससे विनाशकारी कंडुवा बीमारी की प्रभावी निगरानी में सहायता मिलती है।

गरीबी को समाप्त करने, विश्व की रक्षा करने और 2030 तक सभी लोगों के लिए शांति और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा 17 एसडीजी के कार्रवाई का एक सार्वभौमिक आह्वान है। लक्ष्य आपस में जुड़े हुए हैं और सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय मुद्दों को कवर करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला किसान वर्ष 2026 की संयुक्त राष्ट्र घोषणा ने एसडीजी के संदर्भ में एक नया आयाम जोड़ा है। एक अनुसंधान संगठन के रूप में, सीआरआरआई स्थानीय स्तर पर वैश्विक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लक्ष्य की दिशा में योगदान देने के लिए प्रयासरत है।

Biocontrol agents (BCAs) are living organisms, like probiotics, used to control pests, and diseases that damage crops, offering an environmentally friendly alternative to chemical pesticides. CRRI has developed innovative eco-friendly control measures - insect BCAs (e.g., *Trichogramma japonicum* against yellow stem borer and *Trichogramma chilonis* against leaf folder, Braconid parasitoids against leaf folder) and microbial BCAs against insects (e.g., *Bacillus thuringiensis*, *Beauveria bassiana* and *Metarhizium anisopliae*) and microbial BCAs against diseases (e.g., *Trichoderma*). CRRI has identified different microbial BCAs against pathogens, e.g., *Trichoderma* and other species which are not only excellent BCAs but also excellent plant growth promoters and one Indian patent has been obtained.

Pest monitoring devices such as a patented light trap, pheromone traps and other traps have been developed and commercialized by CRRI for the benefit of the farmers. Decision support systems (e.g., RiceXpert) pioneered by CRRI are being used by the farmers and other stakeholders widely.

CRRI is at the forefront of semiochemical-based pest management, pesticide residue monitoring, and innovative decontamination technologies. These efforts directly reduce chemical pollution, protecting both aquatic and terrestrial ecosystems, and preserving biodiversity from the adverse effects of harmful contaminants.

Recombinase Polymerase Amplification (RPA) is a modern, rapid, and sensitive isothermal nucleic acid amplification technique used primarily in diagnostics of plant pathogens. A RPA-based rapid diagnostic protocol has been developed for detection of rice false smut pathogen directly from rice spikelets using crude extract within 60 min under isothermal conditions at 37 °C. This method enables quick and sensitive field detection of the pathogen, aiding in effective monitoring of the devastating false smut disease.

The 17 SDGs are a universal call to action by the United Nations to end poverty, protect the planet, and ensure peace and prosperity for all people by 2030. The goals are interconnected and cover social, economic, and environmental issues. The UN declaration of the International Year of the Woman Farmer 2026 has added a new dimension in the context approaching SDGs. As a research organization, CRRI is working silently contributing towards the target of achieving the global goals at local levels!

संपर्क :
निदेशक, भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान
कटक 753 006, ओडिशा, भारत
दूरभाष: **91-671-2367768-83** | फैक्स: **91-671-2367663**
ईमेल: **director.nrri@icar.gov.in** | **directorcrricuttack@gmail.com**
यूआरएल: **www.icar-nrri.in**

Contact :
Director, ICAR-Central Rice Research Institute
Cuttack 753 006, Odisha India
Phone: **91-671-2367768-83** | **Fax: 91-671-2367663**
Email: **director.nrri@icar.gov.in** | **directorcrricuttack@gmail.com**
URL: **www.icar-nrri.in**

निदेशक: डॉ.जी ए के कुमार
संपादन एवं समन्वयन : बी मंडल
संकलन : संध्या रानी दलाल
हिंदी अनुवाद : बी के महांती
प्रारुप : एस के सिन्हा

Director : G A K Kumar
Editing & Coordination : B Mondal
Compilation : Sandhya Rani Dalal
Hindi Translation : B K Mohanty
Layout : S K Sinha